क्रिएटिव प्रैक्टिशनर्स के लिए हिमालयन फ़ेलोशिप

फाउंडेशन फॉर इंडियन कंटेम्परारी आर्ट (Foundation for Indian Contemporary Art), रॉयल एनफील्ड (Royal Enfield) के सहयोग से, एक नए फ़ेलोशिप प्लेटफार्म (Fellowship Platform) की घोषणा करता है। यह हिमालयन फ़ेलोशिप, पश्चिमि और पूर्वी हिमालय क्षेत्र मे स्थित है, जिसमें आठ पूर्वोत्तर के राज्य भी शामिल किये गये है।
हम यहा के पारिस्थितिकि एवम सन्स्क्रतिक क्षेत्रों मे काम करने वाले क्रियेटिव प्रेक्टिश्नर्स से आवेदन आमन्त्रित करते है। यह एक सालना फ़ेलोशिप है जिसके अन्तर्गत चयनित परियोजनाओ को उन के विकास, संरचना और निर्माण; कार्यशाला और प्रदर्शिनी मंच के अवसर; विशय-सम्बन्धित व्यक्तियों के साथ मेंटरशिप और इंटरैक्टिव सत्र के लिये ३ लाख रुपये कि अनुदान राशि प्रदान की जायेगी।

हिमालयन फ़ेलोशिप किसी भी माध्यम में काम करने वाले कलाकारों के लिए खुली है: पेंटिंग, ड्राइंग, प्रिंटमेकिंग, मूर्तिकला, सिरेमिक, फोटोग्राफी, वीडियो, फिल्म निर्माण, वास्तुकला, ध्वनि कला और संगीत, डिजाइन, शिल्प, इंस्टालेशन, प्रदर्शन, साहित्य और मौखिक इतिहास।

हिमालयी क्षेत्र में फैले 13 भारतीय राज्यों /केंद्र शासित प्रदेशों (अर्थात् जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, असम और पश्चिम बंगाल) से व्यक्तियों और समूहों के लिए खुला है। कृपया ध्यान दें कि फ़ेलोशिप केवल ऊपर उल्लिखित राज्यों के हिमालयी क्षेत्रों में स्थित और काम करने वाले क्रिएटिव प्रैक्टिशनर्स के लिए ही खुली है।

फ़ेलोशिप का दायरा

पश्चिमी और पूर्वी हिमालयी क्षेत्र अपनी स्थलाकृति, पारिस्थितिकी, जनसांख्यिकी और सांस्कृतिक विरासत के मामले में अविश्वसनीय रूप से समृद्ध इलाका है। उपमहाद्वीप के अन्य जलवायु क्षेत्रों की तरह, इन क्षेत्रों को नाजुक पारिस्थितिक तंत्र, जलवायु परिवर्तन, बड़े पैमाने पर वनों की कटाई, अस्थिर पर्यटन, सांस्कृतिक विस्थापन और इन परिदृश्यों में मौजूद विविधता के संरक्षण के लिए संवेदनशील दृष्टिकोण की कमी के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

हिमालयन फ़ेलोशिप हिमालय के क्षेत्र में सांस्कृतिक और पारिस्थितिक आग्रहों, विशेष रूप से पारंपरिक संस्कृति और ज्ञान प्रणाली, विरासत और पहचान, पारिस्थितिकी और जैव विविधता, पर्यावरण न्याय, स्थिरता, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के विषयों पर विशेष ध्यान देने के लिए क्रिएटिव प्रैक्टिशनर्स को आमंत्रित करती है। फ़ेलोशिप इन क्षेत्रों में काम कर रहे क्रिएटिव प्रैक्टिशनर्स जो कि महत्वपूर्ण पद्धतियों का विकास करने, जागरूकता निर्माण, एडवोकेसी, प्रलेखन और सामुदायिक समागम के लिए निर्देशित वैकल्पिक संरक्षण प्रयासों की समर्थन प्रणाली का विस्तार करने के प्रयास के रूप में रेखांकित करती है।

यह फ़ेलोशिप भारतीय हिमालय क्षेत्र के कलाकारों और क्रिएटिव प्रैक्टिशनर्स - व्यक्तियों और समूहों के लिए खुली है। इस फ़ेलोशिप के माध्यम से, हम स्थायी और पारिस्थितिकी पर आधारित प्रथाओं और पद्धतियों के साथ काम

करने और इच्छुक लोगों और परिदृश्यों के साथ सहयोग के दीर्घकालिक तरीकों का समर्थन करते हैं जो साइट-विशिष्ट, समुदाय-उन्मुख हैं, और जिन्हे आगे बढ़ाया और प्रचारित किया जा सकता है ।

हिमालय विशिष्ट मॉडल आज के समय की आवश्यकता हैं जो स्थायी हों और पारिस्थितिक तंत्र पर आधारित हों, जैसे पर्यटन उद्योग अथवा स्थानीय संसाधन और आजीविका कमाने के तरीके। इस फ़ेलोशिप का प्रयास कला-निर्माण के लिए नए और प्रयोगात्मक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना है। यह फ़ेलोशिप उन पारिस्थितिकी और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े हुए मुद्दों को उजागर करना चाहती है, जो स्थानीय संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों के करीबी संबंध और गहरी समझ को मज़बूत बनाते है। यह फ़ेलोशिप इस क्षेत्र के क्रिएटिव प्रैक्टिशनर्स के स्थानीय समुदायों और संगठनों के साथ अपने सहयोग और संबंधों को बड़े स्तर पर प्रस्तुत करने का अवसर भी होगा, जो इन हितधारकों की जरूरतों और समस्याओं के समाधान भी खोजेगा। यह कलाकारों, संसाधन व्यक्तियों, संरक्षणविदों और समुदायों के बीच विचारों और प्रथाओं के आदान-प्रदान को सुविधा जनक बनाने की उम्मीद करता है, ताकि इन समूहों और नेटवर्क के बीच सहयोग को बढ़ाया जा सके, और संबंधों को मजबूत किया जा सके, जो हिमालय और उसके संसाधनों के संरक्षण में मदद करे।

इस फ़ेलोशिप के दायरे में निम्नलिखित विषय आते हैं, जो फ़ेलोशिप के दायरे को स्पष्ट करने में मदद करेंगे। कृपया ध्यान दें कि ये सूक्ष्म रूप से कोष्ठक में सीमित श्रेणियां नहीं हैं; बल्कि असीमित क्षेत्र हैं जहां आवेदक अपने प्रस्ताव में आगे विस्तार करने के लिए स्वतंत्र हैं।

प्रस्तावित परियोजनाएं निम्नलिखित एक या सभी विषयों में विस्तारित हो सकती हैं।

1. पारंपरिक ज्ञान, सांस्कृतिक विरासत और पहचान: हिमालय में पारंपरिक ज्ञान और प्रथाओं की खोज, जिसमें ऐसे तरीके शामिल हैं जिनमें ये प्रथाएं स्थानीय पारिस्थितिक तंत्र और परिदृश्य के साथ जुड़ी हुई हैं, और पर्यावरणीय परिवर्तन के सामने अपनी सांस्कृतिक विरासत को बचाये रखने में इन समुदायों की चुनौतियां शामिल हैं। इसमें संबंधित समुदायों स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों का प्रलेखन, पारंपरिक सांस्कृतिक प्रथाओं और पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान, पवित्र परिदृश्य, मौखिक इतिहास और भौतिक संस्कृतियों को उजागर करने वाली परियोजनाएं शामिल हो सकती हैं।

2. स्थिरता और लचीलापन: उन तरीकों पर ध्यान केंद्रित करना जिसमें समुदाय स्थानीय आजीविका और बुनियादी ढांचे के माध्यम से अधिक टिकाऊ और लचीली प्रणालियों का निर्माण कर रहे हैं, ऐसे सिस्टम और संरचनाएं जो अनुकूल और परिवर्तन के लिए जगह बनाते हुए जीवन की निरंतरता को सुनिश्चित करता है। इसमें ऐसी परियोजनाएं शामिल हो सकती हैं जो पर्यावरण परिवर्तन और न्यायसंगत भविष्य, जिम्मेदार पर्यटन और अपशिष्ट प्रबंधन के संदर्भ में सांस्कृतिक प्रथाओं की भूमिका को देखती हैं; बड़े पैमाने पर उत्पादन और पारंपरिक शिल्प कौशल के संबंध में स्थिरता को कैसे समझा जा सकता है, और कैसे सामूहिक / समुदाय के नेतृत्व वाली पहल जीवन के स्थायी तरीकों का मानचित्रण और पुनरोद्धार कर रही है।

3. जलवायु परिवर्तन और अनुकूलनशीलता: पारिस्थितिक तंत्र पर जलवायु परिवर्तन के सांस्कृतिक और सामाजिक प्रभाव, और कैसे परियोजनाएं और प्रैक्टिशनर्स भूमि और जल उपयोग के आसपास जागरूकता निर्माण के रचनात्मक और शैक्षणिक विकल्प विकसित कर रहे हैं; हाशिए के समूहों के लिए पर्यावरण न्याय और एडवोकेसी का प्रश्न; बदलती पर्यावरणीय परिस्थितियों में पारंपरिक सांस्कृतिक प्रथाओं को कैसे बदला जा रहा है; जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में समुदाय के पहल की भूमिका।
4. पारिस्थितिक तंत्र और जैव विविधता: जैव विविधता और पारिस्थितिक संरक्षण, परिदृश्य पारिस्थितिकी और इन क्षेत्रों में शहरीकरण के प्रभावों को बढ़ावा देने में पारंपरिक प्रथाओं की भूमिका पर ध्यान देने के साथ मनुष्यों और प्राकृतिक पर्यावरण के बीच संबंध; तेजी से शहरीकरण, बड़े पैमाने पर प्रवास, औद्योगीकरण और पर्यावरण परिवर्तन के संदर्भ में सुरक्षा के तरीके; संसाधनों के प्रसार के क्षेत्र विशिष्ट, समुदाय विशिष्ट तरीकों की खोज करना।

फ़ेलोशिप का दायरा और वित्त पोषण

यह फ़ेलोशिप अध्येताओं को उनकी प्रस्तावित परियोजनाओं के अनुसंधान, उत्पादन, प्रसार और आवश्यकतानुसार अन्य पहलुओं के माध्यम से विकास में सहायता प्रदान करेगी। इसमें अनुदान राशि द्वारा उल्लिखित वित्तीय सहायता शामिल होगी जिसे एक मेंटरशिप कार्यक्रम द्वारा पूरक किया जाएगा, जो उन्हें क्षेत्र के बड़े नेटवर्क से जोड़ेगा। अनुदान प्रतिभागियों के लिए प्रदान किए गए बजट से अलग, सलाहकारों और संसाधन व्यक्ति /व्यक्तियों के साथ बातचीत और साइट का दौरा करने की सुविधा प्रदान करेगा, जैसा कि परियोजना के लिए आवश्यक है।

फ़ेलोशिप की अवधि एक वर्ष की होगी, (जुलाई 2023 - जून 2024) होगी। प्रत्येक परियोजना के लिए अनुदान राशि तीन लाख रुपये तक होगी।

पात्रता मानदंड

1. हिमालयन फ़ेलोशिप किसी भी माध्यम में काम करने वाले क्रिएटिव प्रैक्टिशनर्स के लिए खुली है: पेंटिंग, ड्राइंग, प्रिंटमेकिंग, मूर्तिकला, सिरेमिक, फोटोग्राफी, वीडियो, फिल्म निर्माण, वास्तुकला, डिजाइन, शिल्प, प्रतिष्ठान, प्रदर्शन, साहित्य और मौखिक इतिहास।
2. हिमालयी क्षेत्र में फैले 13 भारतीय राज्यों /केंद्र शासित प्रदेशों (अर्थात् जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, असम और पश्चिम बंगाल) से व्यक्तियों और समूहों के लिए खुला है। कृपया ध्यान दें कि फ़ेलोशिप केवल ऊपर उल्लिखित राज्यों के हिमालयी क्षेत्रों में स्थित और काम करने वाले क्रिएटिव प्रैक्टिशनर्स के लिए ही खुली है।
3. समुदाय-विशिष्ट परियोजनाओं के लिए, समुदाय के साथ रहने वाले प्रैक्टिशनर्स को वरीयता दी जाएगी।
4. परियोजना को विशेष रूप से ऊपर उल्लिखित इनमें से किसी भी क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत, परिस्थिति और पर्यावरण से संबंधित खोज की ओर झुकाव होना चाहिए।

5. फ़ेलोशिप में कार्यशाला और साइट-विज़िट के मिले जुले संस्करण शामिल होंगे। चयनित आवेदक की उपस्थिति अपेक्षित है, और अच्छी इंटरनेट एक्सेस एक अनिवार्यता है।

आवेदन जमा करें

आवेदन करने की अंतिम तिथि: 15 जुलाई 2023

आवेदन आवश्यकताएँ:

एक सिंगल PDF जिसमें निम्न जानकारी उपलब्ध हो:

1. आपके व्यक्तिगत या सामूहिक अभ्यास का एक नवीनतम पोर्टफोलियो जिसमें अभी जारी और पुरानी परियोजनाएं शामिल हों। (20 परियोजनाएं से अधिक ना हों) कृपया इस PDF के भीतर ही फ़ोटोज़, वीडियो फ़ाइलों के लिंक या अन्य सहायक सामग्री शामिल करें।
2. निम्नलिखित के साथ विस्तृत परियोजना प्रस्ताव:

- अनुसंधान के प्रस्तावित क्षेत्र की रूपरेखा और यह अनुदान के तत्वावधान से कैसे संबंधित है।
- सामुदायिक भागीदारी, हितधारकों और सहयोगियों पर विवरण (यदि कोई हो)
- फ़ोटोज़ और वीडियो जहां भी लागू हों (वीडियो को PDF में लिंक के रूप में शामिल किया जाना चाहिए)

3. नवीनतम CV और BIO, यदि सामूहिक रूप से आवेदन करते हैं, तो कृपया समूह के सभी सदस्यों के लिए CVs और BIOs भेजें।

सबमिशन प्रक्रिया

कृपया नीचे दिए गए Google फॉर्म में सिंगल PDF अपलोड करें।
(कृपया ध्यान दें कि आवेदन केवल Google फॉर्म के माध्यम से जमा किए जाने हैं। ईमेल या कूरियर के माध्यम से भेजे गए आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

Link: https://forms.gle/E4maoYJAjVULLrjq7